इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya
शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
Shaheed Gundadhoor College of Agriculture & Research Station
कुम्हरावण्ड, जगदलपुर – 494005 Kumhrawand, Jagdalpur – 494005 (C.G.)
Ph. (O) - 07782 - 229150, **(Fax)** 229360 **(R)** 229343 **www.naip-sgcars.com, Email** - zars_igau@rediffmail.com

क्रमांक – DL- -2014

क्र./श.गु.कृ.महा.एवं अनु.केन्द्र/2013–14/ *जगदलपुर दिनांक 07/ 02/2014*

बस्तर पठार कृषि जलवायु क्षेत्र के लिए कृषि सलाह सेवा बुलेटिन (31 जनवरी से 07 फरवरी 2014)

पिछले सप्ताह की विशिष्ठ मौसम स्थितियाँ

वर्षा मि.मी.	0.0
अधिकतम तापमान डिग्री. से.	28 - 34
न्युनतम तापमान डिग्री. से.	8 - 11.5
सापेक्ष आर्द्रता प्रतिशत	31 - 97
वायु गति कि.मी./घंटा	1.3 - 2.3

पिछले सप्ताह कृषि मौसम वेधशाला ,कुम्हरावण्ड में 0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 28.0 से 34.0 डिग्री सेंग्रे. के बीच रहा। न्यूनतम तापमान 8.0 – 11.5 सेग्रे. के मध्य रहा। सापेक्ष आर्द्रता 31 से 97 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई । वायु गति 1.3 से 2.3 किमी./घंटा के मध्य रही।

कृषि मौसम सलाह :–

रबी फसलें	❖ सरसों की अच्छी पैदावार हेतु बीज बुवाई के 25 और 50 दिन के अंतराल पर खरपतवार की गुड़ाई व निंदाई करने पर उपज मे वद्धि होती है संरसों में खरपतवार के नियंत्रण के लिए पेन्डिमेथिलीन का उपयोग 1 किग्रा. सक्रिय तत्व पति हेक्टेयर की दर से करें। ❖ मटर, अलसी, धनिया, सरसों में एक प्रतिशत यूरिया घोल का छिड़काव करें। सिंचाई सुविधा हो तो किसान भाई गेंहू में नमी की कमी की अवस्था में सिंचाई अवश्य करें। ❖ इस समय का मौसम गेंहू एवं मक्का की पत्ती झुलसा एवं टमाटर की अगेती व पछेती अंगमारी बिमारी के अनुकूल है जिसकी रोकथाम के लिए मेन्कोजेब या डाइथेन एम–45 का 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें। ❖ सब्जी वाली फसलो जैसे मिर्च एवं टमाटर में लगने वाले लीफ कर्ल बिमारी के लिए डायमेथोऐट का 1.5 मिलि/लीटर पानी की दर से छिड़काव रोग को फैलने से रोकने के लिए करें। ❖ सब्जी क्षेत्र मे धनिया की फसल लगाकर मित्र कीटों का संर्वधन किया जाना चाहिए। ❖ सरसों में एफिड के नियंत्रण हेतु डायमेथोएट का छिड़काव फूल निकलने के पहले करना चाहिए। ❖ चने की इल्ली के नियंत्रण के लिए वाइरस जनित दवा (NPV) का 250 LE/ लीटर पानी की दर से छिड़काव सुबह/शाम को करना चाहिए। ❖ सब्जी वाली फसलों में मेटासिसटाक्स, क्लोरपायरीफॉस इमीडाक्लोरीड दवा का छिड़काव फल बनते समय नही करना चाहिए।
काजू एवं फल वाले पौधें	❖ फलदार एवं अन्य बहुउद्देशीय पौधों को सुखे से बचाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधियों का उपयोग करें। काजू की पत्तियों में छेद करने वाले बीटल एवं इल्लियों का प्रकोप दिखाई दे रहा है। काजू के तनो एवं जड़ भेदक से प्रकोपित पौधे जो सूख गए है उसे पूरी तरह से हटा देवें तथा अन्य प्रकोपित पौधों में चारकोल तथा मिट्टी तेल (केरोसिन तेल) का 1:2 में मिलाकर या क्लोरपाईरीफॉस 0.2 प्रतिशत की दर से जमीन के 1 मीटर की ऊँचाई तक लगावें। नये रोपित पौधों में नमी संचयन हेतु गुड़ाई एवं पलवार आदि कार्य करें। काजू में चाय मख्खी मत्कुण का प्रकोप दिखाई दे रहा हो तो कोर्बोरिल की 2 ग्राम / लीटर की दर से छिड़काव करें। ❖ नारियल पौधे के आस पास गुड़ाई कर उर्वरक की द्वितीय मात्रा संस्तुत अनुसार डालकर मिट्टी में मिलावें। नारियल के पौधों में ठण्ड के मौसम में Crown choking से बचाव के लिए 100 ग्राम बोरान उर्वरक के साथ देवें एवं बाग के कूड़ों को जलाकर धुआं करें। नारियल के अर्न्तवर्ती फसलों जैसे काली मिर्च की तुड़ाई करें एवं बेल (Vines) की सुखे एवं मुरझाएँ पत्तियों को साफ करें अन्य अर्न्तवर्ती फसलें जैसे अरबी, आमाहल्दी इत्यादि की फसल की सिंचाई रोक दें। गतवर्ष के रोपित नारियल पौधों की गुड़ाई कर उर्वरक की संस्तूत मात्रा डालकर नियमित सिंचाई करें यदि इसमें भी शीर्ष विकास रूका हो (Crown choking) तो 50 ग्राम बोरॉन डालें। नारियल की पत्तियों में सेविन नामक कीटनाशक का उपयोग करें।
सब्जी	❖ बैंगन, टमाटर, मिर्च समय पर निराई गुड़ाई करते रहे। सभी सब्जियों में संतुलित मात्रा में सिंचाई की व्यवस्था करें। मिर्च की फसल में पत्ती कुंचन रोग से बचाने के लिए मेटासिस्टॉक्स या रोगोर कीटनाशॅक का छिड़काव करें। लहसुन में गुड़ाई करें। आलू की फसल यदि परिपक्व हो रहे हो उस अवस्था में सिंचाई करना बंद कर दे। कद्दूवर्गीय फसल (जैसे लौकी, करेला, तरबुज, खरबूज, टिण्डा इत्यादि) हेतु खेत की तैयारी कर बोवाई करें। बसंतकालीन भिण्डी फसल की बोवाई प्रारम्भ करें जिसके लिये बीजदार 18–20 किग्रा./है. तथा उन्नत किस्में अर्का अनामिका, वर्षा उपहार एवं परभनी क्रान्ती है। ठण्ड के मौसम में लगने वाली हरी पत्तीदार सब्जियॉ जैसे पालक, चौलाई, मेथी एवं बथूआ लगावें जिन्हें 30–40 दिनों में निकालकर उपयोग कर सकते है। बैंगन एवं टमाटर में जींवाणु मलानी रोग दिखने की स्थिति में संक्रमित पौधों को तुरंत उखाड़ कर फेंक देवें एवं सिंचाई नियंत्रित करें। स्ट्रेप्टोसाइक्लीन + बाविस्टीन का घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल में जड़ के समीप डालें। बैंगन के पौधों में भेदक कीट देखने को मिल रहा है। इसके नियंत्रण हेतु एंडोसल्फान 35 ई0सी0 का 2 मिली./लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

8 से 12 फरवरी 2014 तक मौसम पुर्वानुमान बस्तर

मौसम कारक	पुर्वानुमान				
	दिवस –1 8 फरवरी	दिवस –2 9 फरवरी	दिवस –3 10 फरवरी	दिवस –4 11 फरवरी	दिवस –5 12 फरवरी
वर्षा मि.मी.	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	33	32	32	32	32
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	13	14	14	15	15
कुल बादल की मात्रा (प्रतिशत)	0	0	36	25	25
सापेक्ष आर्द्रता (सुबह/शाम)	58/25	64/29	66/28	63/29	69/28
वायु गति कि. मी./घण्टा एवं दिशा	4/SW	4/SW	4/SW	4/SW	5/SW

प्रयोजक –भूमि विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली, सहयोग–अखिल भारतीय समन्वित बारानी खेती परियोजना, हैदराबाद

अधिष्ठाता